पओलो कोएलो

कृत

विश्व प्रसिद्ध रचना ALCHEMIST का हिन्दी अनुवाद

ॲल्केमिस्ट

अपने सपनों को साकार करने की एक ऐंद्रजालिक कहानी

This is the section of the book for reading before buying

हिन्दी अनुवाद

कमलेश्वर

....

रेगिस्तान में दो दिन और बीत गए, यूं ही चलते–चलते, खामोशी में। कीमियागर थोड़ा चौकन्ना हो गया क्योंकि अब वे उस इलाके में प्रवेश कर रहे थे, जहां खूनी लड़ाइयां चल रही थीं। वे आगे बढ़ते जा रहे थे। लड़का कोशिश कर रहा था, अपने दिल की बात सुनने की।

ऐसा करना आसान नहीं था। गुजरे समय में उसका दिल सारी दास्तान बता दिया करता था मगर अभी कुछ दिनों से ऐसा नहीं था। एक समय था जब उसका दिल अपनी सारी उदासी उससे कह डालता था और कभी वह उगते सूरज को देखकर इतना भावुक हो जाता था कि उसकी आंखे नम हो आती थीं। वह तब बड़े जोर–से धड़कता, जब लड़के से खजाने की बात करता और फिर इतनी धीमी गति से धड़कता जब लड़का रेगिस्तान के अनंत क्षितिज को सम्मोहन में डूबा देख रहा होता था। तब भी जब कि वह और कीमियागर रेगिस्तान का सफर बिना कोई बात किए तय कर रहे होते थे।

उस रात पड़ाव डालने के बाद लड़के ने पूछा, 'अच्छा यह बताइए, हमें अपने दिल की बात क्यों सुननी चाहिए?'

''क्योंकि जहां तुम्हारा दिल है, वहीं पर तुम्हें अपना खजाना मिलेगा।''

''मगर मेरा दिल तो उत्तेजित है।'' लड़के ने कहा, 'उसके अपने सपने हैं .....वह भावुक हो जाता है और रेगिस्तान की एक नवयुवती पर आसक्त हो गया है। जाने क्या–क्या पूछता रहता है मुझसे। रातें गुजर जाती हैं, मुझे सोने नहीं देता और मजबूर करता है कि मैं फातिमा के बारे में सोचूं।'

''यह तो बहुत अच्छा है। इसके मायने हैं, तुम्हारा दिल अभी जिंदा है। सुनते रहो कि क्या कहता है!''

अगले तीन दिनों में वे कई बार योद्धाओं के नजदीक से गुजरे और कई बार वे उन्हें दूर क्षितिज के पास दिखाई दिए। लड़के के दिल ने डर की बातें कहीं। उसने वह किस्से बताए जो उसने विश्वात्मा से सुने थे और जिनमें उन असफल यात्रियों की कहानियां थीं जो खजाना ढूंढने में नाकाम रहे थे। कभी–कभी वह

लड़के को डरा देता था कि उसे खजाना कभी नहीं मिलेगा या फिर किसी दिन वह ऐसे ही रेगिस्तान में मर जाएगा। कभी वह कहता कि वह बहुत संतुष्ट है। आखिर और क्या चाहिए जीवन में, प्यार और पैसा सभी कुछ तो पा लिया।

''मेरा दिल दगाबाज है।'' लड़के ने कीमियागर से कहा, ''वह नहीं चाहता कि मैं और आगे जाऊं।''

''तो वह ठीक ही तो कहता है।'' कीमियागर ने कहा, ''वह डरता है कि अपना सपना साकार करने के प्रयत्न में तुम वह सब कुछ न खो डालो, जो तुमने अभी तक प्राप्त किया है।''

''तब मुझे अपने दिल की बात क्यों सुननी चाहिए?''

''क्योंकि तुम उसे खामोश तो नहीं रख सकते। फिर चाहे तुम यह दिखावा करो कि तुमने उसकी बात नहीं सुनी है, लेकिन वह तुम्हारे भीतर ही रहेगा और बार–बार दोहराएगा कि तुम अपनी जिंदगी और इस दुनिया के बारे में क्या सोच रहे हो,'' कीमियागर ने कहा।

''तो आप यह कहना चाहते हैं कि मैं उसकी बात हर हालत में सुनूं, चाहे वह बात विश्वासघात ही क्यों न हो?''

''विश्वासघात हमेशा बिना बताए आता है। अगर तुम अपने दिल को अच्छी तरह से जानते हो, तो वह कभी ऐसा नहीं कर पाएगा क्योंकि तुम्हें तो उसकी इच्छाएं और सपने, सब पहले से ही मालूम होंगे। साथ ही यह भी कि उससे कैसा निपटा जाए।''

''तुम अपने दिल से कभी बच नहीं सकते इसलिए बेहतर है कि तुम उसकी बात सुनो। इस तरह तुम्हें कभी भी उसके अनायास आघात यानी विश्वासघात की आशंका नहीं रहेगी।''

रेगिस्तान पार करते हुए लड़का अपने दिल की बात सुनता रहा। उसकी पैंतरेबाजी और चालाकी वह बखूबी समझने लगा था और उसके इस रूप को स्वीकार करने लगा था। उसका डर जाता रहा क्योंकि एक दोपहर उसके दिल ने कहा कि वह खुश है और उसे नखलिस्तान वापस जाने की कोई जरूरत नहीं है। यह बात सच

है कि मैं कभी–कभी शिकायत करता हूं। दिल ने कहा, 'मगर क्या करूं, मैं एक इंसान का दिल हूं और **इंसानों के दिल इसी प्रकार के होते हैं। लोग अपने सबसे अहम सपनों को साकार करने से पहले ही बीच में छोड़ देते हैं, क्योंकि उन्हें शक होता है कि वे उसके योग्य नहीं हैं या यह कि वे कभी भी उसे हासिल नहीं कर पाएंगे। उनके दिल, अजीजों के खो जाने के विचार भर से डर जाते हैं या फिर उन क्षणों से जो अच्छे हो सकते थे पर असलियत में थे नहीं, या फिर वे खजाने जो मिल सकते थे मगर दफन थे हमेशा के लिए रेत में, कहीं बहुत गहरे। क्योंकि जब कुछ भी अकस्मात घटित हो जाता है, तो हमें असहनीय पीड़ा होती है।**'

एक रात, चंद्रमाविहीन आकाश को निहारते हुए लड़के ने कीमियागर से कहा, ''मेरा दिल डरता है कि उसे दुख झेलना पड़ेगा।''

''अपने दिल से कहो कि **दुख भोगने का डर दुख भोगने से कहीं ज्यादा भीषण है।** और आज तक कोई दिल इसलिए नहीं तड़पता कि वह अपने सपने ढूंढने निकला था क्योंकि ऐसी खोज का हर एक साक्षात्कार होता है ईश्वर से और अनादि अनंत से।''

लड़के ने यही बात अपने दिल में दोहरा ली, 'खोज का हर पल ईश्वर से साक्षात्कार का होता है। जब मैं अपने खजाने की खोज में ईमानदारी से लगा था तो हर दिन उजागर था क्योंकि दिन का हरेक घंटा उस खोज की तरफ आगे ले जाने का हिस्सा था। जब मैं शिद्त से खजाने की खोज में लगा था तो मुझे ऐसी चीजें मालूम हुई जो मैं कभी न समझ पाता अगर मैं हिम्मत न करता, वह कार्य करने का जो एक आम गड़रिये के लिए देखना या जान पाना असंभव था।'

उसका दिल पूरी दोपहर चुप रहा। उस रात लड़का गहरी नींद सोया।

सुबह होने पर दिल ने विश्वात्मा से आई हुई बातें कहना शुरू किया। उसने कहा, 'जो खुश होते हैं उनके दिल में ईश्वर बसता है।' और खुशी, जैसा कि कीमियागर ने कहा था– रेत के एक जर्रे में भी पाई जा सकती है। क्योंकि रेत का एक कण सृष्टि का एक क्षण है और ब्रह्मांड को उसे बनाने में अरबो–खरबों साल लगे हैं! हर किसी के लिए इस धरती पर एक खजाना है जो उसका इंतजार कर रहा है।

दिल ने कहा, 'मगर हम इन खजानों के बारे में शायद ही कभी बात करते हैं.... क्योंकि लोग अब उन्हें खोजना ही नहीं चाहते। हम उनकी बात केवल बच्चों से करते हैं और फिर जीवन जैसा चाहे उस दिशा में बह जाए– यह उसका भाग्य। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो उस पथ पर चलते हैं, जो उनके लिए बनाया गया था। वह पथ जो बढ़ता है उनकी नियति और बेइंतहा खुशी की ओर। ज्यादातर लोगों को यह दुनिया एक खौफनाक जगह लगती है ...... क्योंकि वे ऐसा सोचते हैं . . . इसलिए होता भी ऐसा ही है। यह दुनिया सचमुच उनके लिए भयावह बन जाती है।'

इसलिए, हम दिल, बहुत अहिस्ता से अपनी बात कहते हैं। ऐसा नहीं है कि हम किसी क्षण कुछ कहने से रूक जाते हों मगर हमारी कोशिश होती है कि हम जो कह रहे हैं उसे कोई ना ही सुने। हम नहीं चाहते कि कोई इसलिए दुख भोगे क्योंकि उसने अपने दिल की बात नहीं सुनी!'

''लोगों के दिल, उनसे सपने साकार करने के लिए निरंतर प्रयासों की बात क्यों नहीं करते?'' लड़के ने कीमियागर से सवाल किया।

''चूंकि उससे दिल को सबसे ज्यादा तकलीफ होती है और कोई भी दिल ऐसी तकलीफ सहना नहीं साहता।''

उसके बाद, लड़के ने अपने दिल को पूरी तरह समझ लिया। उसने कहा, ''ऐ मेरे दिल! मुझसे बातें करना कभी न छोड़ना, मैं कभी भटक जाऊं तो मुझे चेताने से चूकना नहीं। मैं भी तुमसे वादा करता हूं, जब भी तुम मुझे इस तरह चेताओगे तो मैं तुम्हारा ही कहना मानूंगा।''

उस रात लड़के ने कीमियागर को सब कुछ बता दिया। कीमियागर भी समझ गया कि लड़के के दिल ने विश्वात्मा से तादात्म्य कर लिया है।

''तो अब मैं क्या करूँ?'' लड़के ने पूछा।

''पिरामिडों की ओर बढ़ते रहो'' कीमियागर ने जवाब दिया, ''जो शकुन दिखाई दें उनका पालन करो। तुम्हारे दिल में अभी भी सामर्थ्य है कि वह तुम्हें बता सके कि खजाना कहां छिपा है।''

''क्या यही वह एक ऐसी चीज है जिसे मुझे अभी भी जानना बाकी था।''

''नहीं'' कीमियागर ने कहा, ''जो तुम्हें अब भी जानना चाहिए वह है कोई भी सपना साकार होने से पहले विश्वात्मा तुम्हारी हर तरह से परीक्षा लेती है यह जानने के लिए कि, जो कुछ भी तुमने सफर में सीखा है, उसे भुला तो नहीं दिया। इसमें कुछ बुरा भी नहीं है दूसरे शब्दों में कहूं तो यह इसलिए कि अपने सपनों को साकार करने के साथ–साथ जो कुछ भी हमने जीवन से सीखा है उस पर चलने की निपुणता हमें प्राप्त कर लेनी चाहिए। अक्सर यहीं पहुंचकर लोग हाथ खड़े कर देते हैं, हिम्मत छोड़ बैठते हैं। रेगिस्तान की भाषा में इसे इस तरह कहा जाता है– उस वक्त प्यास से मर जाना, जब क्षितिज पर खजूर के पेड़ दिखाई देने लगें।''

''हरेक तलाश आरंभिक भाग्य से शुरू होती है मगर खत्म होती है तभी, जब विजेता कठिन से कठिन परीक्षाएं सफलता से पास कर लेता है।''

इस बात पर लड़के को अपने देश की एक बहुत पुरानी कहावत याद आ गई, **''रात का सबसे अंधेरा पहर, भोर से ठीक पहले ही आता है।''**
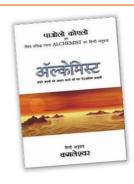
इस पुस्तक को जरूर पढ़े

The Alchemist (अपने सपनों को साकार करने की एक ऐंद्रजालिक कहानी)

Flipkart

क्यों पढ़े ॲल्केमिस्ट

- अपनी जिंदगी को एक नये नजरिये से देखने के लिए
- अपने सपनों के पूरा हाने के संशय में है तब!
- जिंदगी की उलझनों से परेशान है तब!
- एक नई उम्मीद और प्रेरणास्रोत के लिए
- प्यार, लक्ष्य और सफर क्या है? जानने के लिए।

तो प्यार, नियती, कर्म और सपनों की इस कहानी को आप भी पढ़े और जीवन जीने के नजरिये को बदले !

इस विश्व प्रसिद्ध रचना को यहां से खरीदे...